हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "अ" श्रेणी में सूचीबद्ध

# जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 142 | हल्द्वानी (नैनीताल) jfookj 05 अप्रैल 2026 | मूल्य रू 2 | पृष्ठ : 8

## हल्द्वानी बागजाला गांव के विकास पर वन विभाग का अवरोध खत्म करने की मांग पर 6 अप्रैल को डीएफओ तराई पूर्वी कार्यालय हल्द्वानी के सम्मुख होगा प्रदर्शन

**' आठ सूत्रीय मांगों को पूरा करने के लिए हो रहा है आंदोलन**

**' तैयारी की समीक्षा के लिए किसान महासभा बैठक**

हल्द्वानी (संवाददाता)। किसान महासभा बागजाला कमेटी के पूर्व घोषित धरना प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत बागजाला गांव के विकास पर वन विभाग का अवरोध खत्म करने की मांग पर 6 अप्रैल को डीएफओ तराई पूर्वी कार्यालय हल्द्वानी के सम्मुख धरना प्रदर्शन किया जायेगा. आज इस आंदोलन की तैयारी की समीक्षा बैठक की गयी जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भागीदारी की. अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी ने कहा कि, भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के चलते आजादी से भी पहले बसे गाँव बागजाला को वन विभाग के माध्यम से अतिक्रमण के नाम पर उजाड़ने का षड्यंत्र कर बागजाला गांव के लोगों को पहले से सरकार द्वारा दी गई बुनियादी सुविधाओं पंचायत प्रतिनिधि चुनने का अधिकार, सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई नहरों और नये भवन निर्माण, गांव में जल जीवन मिशन अन्तर्गत चल रहे हर घर नल, हर घर जल के निर्माण पर रोक लगा दी गई. जिसके कारण बागजाला वासियों को जनान्दोलन को बाध्य होना पड़ रहा है।भाकपा माले नैनीताल जिला सचिव डॉ कैलाश पाण्डेय ने कहा कि, वन विभाग की जारी हठध र्मिता के खिलाफ बागजाला गांव के जनहित में उठाई जा रही जायज मांगों को पूरा करने की मांग पर आगामी 6 अप्रैल को बागजाला गांव के लोग अखिल भारतीय किसान महासभा के नेतृत्व में जनआंदोलन की शुरूआत डीएफओ तराई पूर्वी कार्यालय हल्द्वानी के सम्मुख एक चेतावनी धरने से करेंगे, यदि तब भी समाधान न हुआ तो पुन: अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जायेगा।8 सूत्रीय मांगें:ƒ जल जीवन मिशन के तहत पेयजल योजनाओं को तुरंत शुरू किया जाए।ƒ गांव की सड़कों की मरम्मत और निर्माण कार्यों को बिना देरी के अनुमति दी जाए।ƒ नहरों की मरम्मत कर किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।ƒ बरसात नहर के किनारे रहने वाले लोगों के लिए पक्के रास्ते का निर्माण किया जाय और नहर के किनारों की मरम्मत की जाय। ƒ बिजली और पानी के नए कनेक्शन लगाने का अनुमति पत्र जारी किया जाय। ƒ विकास कार्यों में वन विभाग द्वारा डाली जा रही अनावश्यक बाधाओं को तुरंत समाप्त किया जाए।ƒ डीएफओ गांव में स्ट्रीट लाइट/सोलर लाइट लगाने का अपना वादा पूरा करें। वन विभाग द्वारा बागजाला वासियों को पूर्व में दिए गए सभी नोटिस वापस लिए जाएँ। बैठक में आनंद सिंह नेगी, डॉ कैलाश पाण्डेय, डॉ उर्मिला रैस्वाल, जेबुनिशा, हेमा देवी, उमा देवी, रफी, मकसूद, शोभा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे.

## जागरूकता अभियान में छात्रों को दिया सुरक्षा और नशा मुक्ति का संदेश

अल्मोड़ा (संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन में जनपद में चल रहे जनजागरूकता अभियान के तहत सल्ट पुलिस ने राजकीय पॉलीटेक्निक में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं और स्टाफ को विभिन्न सुरक्षा संबंधी विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी रानीखेत विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष सल्ट कश्मीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और नए आपराधिक कानूनों में महिला सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में भी बताया गया। पुलिस टीम ने छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उनसे नशे से दूर रहने की अपील की। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की गोपनीय सूचना देने के लिए मानस हेल्पलाइन 1933, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी जानकारी दी गई।

## 109 पव्वा देसी और विदेशी शराब और बियर बरामद

हल्द्वानी (संवाददाता)। हल्द्वानी के बरेली रोड स्थिति ढाबे से 109 पव्वा देसी और विदेशी शराब और बियर बरामदअभियुक्त राजेंद्र प्रसाद के खिलाफ धारा 60 आबकारी अधिनियमके अंतर्गत मुकदमा दर्जअभियुक्त को पूर्व मे भी गिरिफ्तार किया गया है आबकारी विभाग से प्राप्त सूचना अनुसार क्षेत्र से लगातार प्राप्त हो रही अवैध मदिरा की शिकायतों के संबंध में आबकारी विभाग हल्द्वानी द्वारा शनिवार को क्षेत्र में सघन दबिश/चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान आबकारी टीम द्वारा संदिग्ध स्थानों एवं व्यक्तियों के ठिकानों पर जांच की गई तथा क्षेत्र में गहन तलाशी ली गई। उन्होंने अवगत कराया कि आबकारी विभाग द्वारा क्षेत्र में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से यह चेकिंग एवं दबिश अभियान आगे भी जारी रहेगा। टीम में आबकारी निरीक्षक धीरेंद्र बिष्ट,रुचिका कांडपाल आबकारी उप निरीक्षक



## जिला स्तरीय गौशाला स्थापना एवं संचालन अनुश्रवण प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

हल्द्वानी (संवाददाता)। जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय हल्द्वानी में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय गौशाला स्थापना एवं संचालन अनुश्रवण प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें जनपद में निराश्रित गोवंश के संरक्षण को लेकर कई अहम फैसले लिए गए।बैठक में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 6 नए गौसदनों की स्थापना को मंजूरी दी गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि शीघ्र भूमि चयन कर प्रस्ताव तैयार किए जाएं और निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।मालधन चौड़, गोलापार और श्री कैंचीधाम क्षेत्र में प्रस्तावित तीन गौशालाओं के लिए डीपीआर तैयार कर बजट जिला खनिज न्यास निधि से आवंटित करने की स्वीकृति भी दी गई। इस संबंध में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को जल्द प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान जिला पंचायत द्वारा निराश्रित गोवंश को गौसदनों तक पहुंचाने के लिए कैचर/लिफ्टिंग वाहन अब तक न खरीदने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और अपर मुख्य अधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही मालधन चौड़ में गौशाला निर्माण कार्य को तेजी से पूरा कर ग्रामीण क्षेत्रों से पशुओं को वहां शिफ्ट करने को कहा गया।गौलापार में बड़े स्तर पर गौशाला स्थापित करने के लिए भूमि चयन के निर्देश उपजिलाधिकारी हल्द्वानी को दिए गए। वहीं भीमताल और खैरना (श्री कैंचीधाम) में भी गौशाला निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करने के निर्देश संबंधित एसडीएम को दिए गए हैं।जिलाधिकारी ने सभी नगर निकायों और जिला पंचायत अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ नए गौसदनों के प्रस्ताव जल्द तैयार कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गौलापार के लिए जिला पंचायत नैनीताल, भीमताल के लिए नगर पालिका भीमताल और श्री कैंचीधाम क्षेत्र के लिए नगर पालिका भवाली को कार्यदायी संस्था नामित किया गया।बैठक में यह भी तय किया गया कि निराश्रित गोवंश को गौसदनों तक पहुंचाने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (ै्व्च्) तैयार की जाएगी और इसके लिए स्थानीय स्तर पर लोगों को चिन्हित कर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

# संपादकीय

## गिरफ्तारी का मामला गंभीर

गिरफ्तार लोगों में सबसे संदिग्ध भूमिका अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डाइक की है। वह पहले लीबिया और सीरिया के सशस्त्र संघर्षों में शामिल रह चुका है। वह म्यांमार स्थित विद्रोहियों को ड्रोन युद्धकला सिखाने में लगा हुआ था।छह यूक्रेनी और एक अमेरिकी नागरिक की गिरफ्तारी का मामला गंभीर है। यूक्रेन सरकार ने इन गिरफ्तारियों पर विरोध जता कर इसे रहस्यमय भी बना दिया है। इन लोगों की गिरफ्तारी बागी संगठनों की मदद करने और अवैध हथियार उपलब्ध कराने के आरोप में हुई है। ऐसे में बिना पूरा सच सामने आए यूक्रेन सरकार उनके पक्ष में क्यों खड़ी हो गई? आरोप है कि इन लोगों ने यूरोप से ड्रोन की भारी खेप मंगा कर उसे म्यांमार के सशस्त्र विद्रोही संगठनों को उपलब्ध कराया। ये लोग भारत आकर बिना परमिट हासिल किए मिजोरम चले गए। वहां से सीमा पार कर म्यांमार गए। वहां से लौटने पर भारत की जांच एजेंसी एनआईए ने उन्हें गिरफ्तार किया।एनआईए के अनुसार म्यांमार के जिन गुटों की मदद ये आरोपी कर रहे थे, उनके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के विद्रोही संगठनों से हथियारों के आदान-प्रदान एवं प्रशिक्षण में सहयोग के संबंध हैं। ये जग-जाहिर है कि म्यांमार के गृह युद्ध में बाहरी शक्तियों का हाथ भी है। उस संघर्ष के कारण बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत आए हैं। बल्कि आरोप है कि वहां से संबंधित उग्रवादियों ने मणिपुर और मिजोरम में अपने ठिकाने बना लिए हैं। नई दिल्ली की अदालत में पेशी के दौरान एनआईए ने कहा कि गिरफ्तार लोग भाड़े के सैनिक की भूमिका निभा रहे थे। उनकी गतिविधियां भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनी हैं। एजेंसी ने उन लोगों पर गैर-कानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया है।गिरफ्तार लोगों में सबसे संदिग्ध भूमिका अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डाइक की बताई गई है। वह पहले लीबिया और सीरिया के सशस्त्र संघर्षों में शामिल रहा है, जहां बाहरी मदद से शासकों को हटाया गया था। एनआईए का आरोप है कि वह अपने युद्ध अनुभव का उपयोग म्यांमार स्थित विद्रोहियों को ड्रोन युद्धकला सिखाने में कर रहा था। तो कुल मिलाकर ये गिरफ्तारियां उत्तर-पूर्व में विदेशी हस्तक्षेप की चिंताजनक स्थितियों की ओर इशारा करती हैं। अपेक्षित है कि इस मामले की पूरी जांच हो और इसे अंजाम तक पहुंचाया जाए। इस बीच यूक्रेन के विरोध को नजरअंदाज कर दिया जाना चाहिए।

## जनजातीय खेल प्रतिभा: हमारा राष्ट्रीय गौरव

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

मैंने देखा है कि ग्रामीण क्षेत्रों और वनांचलों में, बच्चे घर के बाहर प्रकृति के सानिध्य में अधिक समय बिताते हैं। वे खेल-कूद के सहज तरीके खोज लेते हैं। वे मिट्टी में लकीरें खींचकर और आकृतियां बनाकर, खेलने की जगह तैयार कर लेते हैं। वे फलों के सूखे बीजों का खेल की गोटियों की तरह इस्तेमाल कर लेते हैं। सूखे पत्तों, पेड़ों की जड़ों और फटे-पुराने कपड़ों से गेंद बना लेते हैं। बांस का उपयोग करके हॉकी और फुटबाल के गोल-पोस्ट बना लेते हैं। इस प्रकार, अनेक प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करके, वे अपने खेल-संसार की रचना कर लेते हैं। बहुत से बच्चे बिना जूते और जर्सी के पूरे जोश से खेलते रहते हैं। पोखरों-तालाबों में बच्चे खूब तैरते रहते हैं। तैराकी की इस सहज प्रतिभा को अब उपलब्ध प्रशिक्षण और संसाधनों की सहायता से विकसित करके, केवल 15 वर्ष की, जाजपुर की बेटी अंजलि मुंडा ने प्रथम श्खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026ळ में पहले ही दिन तीन स्वर्ण-पदक जीत कर पूरे देश के युवाओं को प्रेरित किया।तीरंदाजी के प्रति जनजातीय लोगों में सहज तरंग सी होती है। संताल-समुदाय ने वर्ष 1855 में शोषण के विरुद्ध एक घनघोर संग्राम किया था जो श्संताल हूलक्ष के नाम से अमर है। आधुनिक हथियारों से लैस ब्रिटिश सेनाओं ने उस क्रान्ति को दबा तो दिया लेकिन अपने विवरणों में अंग्रेजों ने संताल वीरों के युद्ध कौशल, खासकर तीरंदाजी का विशेष उल्लेख किया है। संताल-हूल का नेतृत्व करने वाले बहादुर भाइयों सिद्धो-कान्हू तथा चांद-भैरव एवं वीरांगना बहनों, फूलो-झानो की प्रतिमाओं का झारखंड में उनके गांव उरी-मारी में जाकर अनावरण करने का सौभाग्य मुझे तब मिला था जब मैं राज्यपाल थी। तीरंदाजी में एकलव्य की महानता से देश का बच्चा-बच्चा परिचित है। वे श्रेष्ठतम धनुर्धर के रूप में सम्मानित हैं। एकलव्य, सभी देशवासियों के लिए, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए एक प्रेरक विभूति हैं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित श्खेल उत्कृष्टता केंद्रा बच्चों को खेल-कूद की आधुनिक सुविधाओं और पद्धतियों से सक्षम बना रहे हैं। इसी प्रकार स्कूल-व्यवस्था के साथ-साथ अन्यत्र विद्यमान खेल-प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षित करने के कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।मेरे व्यक्तिगत प्रयासों से, मेरे गांव में वंचित वर्गों के बच्चों के लिए एक आवासीय स्कूल की स्थापना की गई है। इस विनम्र प्रयास के तहत स्कूल के परिसर में ही तीरंदाजी के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी कराई गई है। सरकार के प्रयासों के साथ-साथ छोटे-छोटे व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास भी जनजातीय बच्चों में निहित खेल-प्रतिभाओं को निखारने में सहायक होंगे।मेरे गांव के अन्य जनजातीय बच्चों की तरह, मुझमें भी तैराकी सहित, व्यायाम और खेलों के प्रति बहुत रुझान था। मैं स्कूल की खेल प्रतियोगिताओं में प्रायः प्रथम स्थान पर रहती थी। एक प्रतियोगिता में जानबूझकर मैंने अपने को इसलिए पीछे रखा ताकि मेरी एक सहेली को प्रथम पुरस्कार का आनंद मिल सके। खेल-कूद से टीम भावना विकसित होती है तथा सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा और मैदान के बाहर गहरी मित्रता, खिलाड़ियों में प्रायः देखने को मिलती है।मेरे भाई फुटबाल के बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे हैं जो गंभीर चोट लगने के कारण आगे नहीं खेल सके। मेरे परिवार के कुछ अन्य सदस्यों ने भी विभिन्न खेलों में उत्कृष्टता प्रदर्शित की है। इस निजी विवरण से मैं यह बताना चाहती हूं कि जनजातीय परिवारों में खेल-कूद की जीवन्त परंपरा विद्यमान है। उनमें खेलों के लिए असीम प्रतिभा है, ऊर्जा है, रुचि है और आगे बढ़ने का हौसला भी है। सुविधाओं और प्रशिक्षण के द्वारा ऐसी प्रतिभाओं को निखारने से, खेल-कूद उनके लिए केवल मनोरंजन और सामाजिक मेल-जोल का जरिया न होकर जीवन में आगे बढ़ने का, आर्थिक आत्म-निर्भरता और सामाजिक सम्मान प्राप्त करने का माध्यम बन सकता है। इस संदर्भ में वर्ष 2018 से केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों तथा खेल-संस्थानों के साथ मिलकर चलाए जा रहे श्खेलो इंडियाश्च अभियान द्वारा अच्छा बदलाव आया है।कुछ वर्षों पहले तक हमारे देश में खेल-कूद की अच्छी सुविधाएं केवल महानगरों तक सीमित थीं जबकि ग्रामांचलों और वनांचलों में अनेक प्रतिभावान खिलाड़ी रहते हैं। जनजातीय क्षेत्रों में खेल-अकादमी और प्रशिक्षण सुविधाएं सुलभ नहीं होती थीं। अब एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में बच्चों के खेल-कूद पर विशेष ध्यान देने से लेकर श्खेलो इंडिया जनजातीय खेलश जैसे प्रयत्नों के बल पर जनजातीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिल रहा है।मुझे याद है कि मेरे विद्यार्थी जीवन के दौरान ग्रामीण स्तर पर, पांच-छह गांवों के लोग मिलकर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किया करते थे। कुछ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्थाएं भी जनजातीय क्षेत्रों में खेल-कूद को बढ़ावा देती रही हैं। प्रायः ग्रामीण क्षेत्र की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अच्छे खिलाड़ी भी ग्रामीण स्तर से ऊपर नहीं उठ पाते थे। पिछले कुछ वर्षों में, इस स्थिति को बदलने के अनेक सराहनीय प्रयास किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए श्खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026ळ का आयोजन किया गया। इस आयोजन से जमीनी स्तर के जनजातीय खिलाड़ियों को भी पहचान मिली है तथा उन्हें सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराए गए हैं। इन राष्ट्रीय खेलों में लगभग सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

भारत ने खिलाड़ियों की नैसर्गिक प्रतिभा के बल पर ओलिम्पिक खेलों में पहला स्वर्ण-पदक, हॉकी के लिए, वर्ष 1928 में जीता था।

## भारतीय शासन व्यवस्था की पटकथा फिर से लिख रहा है मिशन कर्मयोगी

डॉ जितेंद्र सिंह

कल्पना करें कि राजस्थान के दूरदराज के किसी कोने में जिला कलेक्टर को एक ऐसी महत्वाकांक्षी कल्याण योजना की जिम्मेदारी सौंपी जाती है जिसके बारे में उसकी जानकारी बहुत कम है। एक दशक पहले उसे जानकारी के लिए कहीं धूल खा रही किसी नियमावली का सहारा लेना होता। या फिर वह अपने किसी वरिष्ठ सहयोगी की तीन बैठकों और लंच के बाद खाली होने का इंतजार करता। उसकी उम्मीद उस प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भी टिकी हो सकती थी जो शायद एक या दो साल में कभी आता। लेकिन आज वह अपने फोन के जरिए आईगॉट (इंटिग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म) पर लॉग ऑन करता है। उसे मिनटों में ही अपनी जरूरत के अनुरूप एक सुव्यवस्थित कार्यकुशलता आधारित पाठ्यक्रम मिल जाता है। वह शाम तक सूचनाओं और आत्मविश्वास से लैस होकर योजना के लाभार्थियों की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहा होता है। यह बदलाव देखने में छोटा लग सकता है मगर हकीकत में किसी क्रांति से कम नहीं है।

चमक-दमक से दूर धैर्य के साथ पांच साल पहले शुरू किया गया मिशन कर्मयोगी एक क्रांति ला रहा है। यह नए भारत के लिए एक नई तरह के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने के उद्देश्य से चुपचाप काम कर रहा है।इसके महत्व को समझने के लिए हमें पहले संदर्भ को जानना होगा। 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री के निर्धारित लक्ष्य तक यूं ही नहीं पहुंचा जा सकता। इस मंजिल तक पहुंचने के लिए हमें भारत गणतंत्र को चलाने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों के जरिए सावधानी से एक-एक कदम आगे बढ़ना होगा। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी, प्रौद्योगिकी या नीति नहीं है। सबसे ज्यादा अहमियत उन लगभग 3.5 करोड़ प्रशिक्षित, उत्साही और नागरिक केंद्रित सरकारी कर्मियों की क्षमता की है जो हर सुबह उठ कर भारतीय शासन को संचालित करते हैं।स्वतंत्र भारत के इतिहास में ज्यादातर समय क्षमता निर्माण का मॉडल सांयोगिक रहा है। किसी नौजवान अधिकारी को सेवा की शुरुआत के समय औपचारिक प्रशिक्षण दिया जाता था। फिर करियर के बीच में यदा-कदा उसे कुछ पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता था। बाकी, उसे काम करते हुए और दूसरों को देख कर ही सीखना होता था। एक स्थिर और धीमी गति से आगे बढ़ते विश्व में यह काफी था। लेकिन कृत्रिम मेधा, जलवायु अवरोध, जनसांख्यिकीय दबाव और जबर्दस्त प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के युग में यह सरासर नाकाफी है। प्रशासन के सामने चुनौतियां जिस रफ्तार से आती हैं उसके सामने प्रशिक्षण की पुरानी प्रणालियों की गति कहीं नहीं टिकती।श्मिशन कर्मयोगीश को इसी बेमेल स्थिति के समाधान के रूप में की गई थी। 2021 में शुरू किया गया यह मिशनख्जिसे उसी वर्ष अप्रैल में स्थापित श्क्षमता निर्माण आयोगश द्वारा संस्थागत रूप से संचालित किया गया, एक सचमुच महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ा। भारतीय सिविल सेवाओं की सीखने की संस्कृति को, समय-समय पर होने वाली और केवल नियमों के पालन तक सीमित प्रक्रिया से बदलकर, एक निरंतर चलने वाली, भूमिका-आधारित और स्वयं-निर्देशित विकास यात्रा में रूपांतरित करना इसका मकसद है। जैसा कि आयोग इसका वर्णन करता है, यह बदलाव श्कर्मचारीश्ख्यानी नियमों का पालन करने वाले एक पदाधिकारी से श्कर्मयोगीश बनने की ओर है: एक ऐसा लोक सेवक जो किसी उद्देश्य, सेवा-भाव और उत्कृष्टता से प्रेरित हो।पाँच वर्षों के बाद, ये आंकड़े अत्यंत शिक्षाप्रद हैं। श्आईगॉटा (इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) प्लेटफॉर्म पर अब 1.5 करोड़ से अधिक सरकारी अधिकारी सक्रिय शिक्षार्थी के रूप में जुड़े हैं ख्र यह एक ऐसी संख्या है जो शुरुआत के समय काल्पनिक लगती थी। 4,600 से अधिक योग्यता-आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से, इन अधिकारियों ने 8.3 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किए हैं। अकेले पिछले श्राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताहश के दौरान, भागीदारी के परिणामस्वरूप 4.5 मिलियन घंटे के पाठ्यक्रम नामांकन और 3.8 मिलियन घंटे की वास्तविक शिक्षा दर्ज की गई। ये केवल अमूर्त आंकड़े नहीं हैं। दर्ज किया गया प्रत्येक घंटा भारत में कहीं न कहीं एक लोक सेवक का प्रतिनिधित्व करता है ।

हिन्दी दैनिक
जोखिम

# सीएम ने किया प्रशिक्षण ले रहे पुलिस कांस्टेबलों को संबोधित

**- कानून व्यवस्था व आपदा प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया**

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को पुलिस लाइन देहरादून में प्रशिक्षण ले रहे पुलिस कांस्टेबलों को संबोधित किया। उन्होंने युवा कांस्टेबलों का उत्साहवर्धन करते हुए राज्य की कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने, आपदा प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाने तथा ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड पहाड़ी राज्य होने के कारण प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है, इसलिए पुलिसकर्मियों को आपदा प्रबंधन में निपुण बनना आवश्यक है। उन्होंने कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए जनता के साथ समन्वय बनाए रखने तथा अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कांस्टेबलों को आधुनिक प्रशिक्षण ग्रहण कर जनसेवा के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।

# सचिवालय डेंजर और पैंथर की शानदार जीत

देहरादून(संवाददाता)। सचिवालय सुपर लीग-2026 में शनिवार को खेले गए मुकाबलों में सचिवालय डेंजर और सचिवालय पैंथर ने शानदार जीत दर्ज की। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में मुकाबले खेले गए। पहला मैच सचिवालय हरिकेन और सचिवालय डेंजर के बीच खेला गया। हरिकेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 107 रन बनाए। टीम की ओर से सुनील मेंदोला ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। गेंदबाजी में शीशपाल सिंह और वीरेंद्र सिंह ने 3-3 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डेंजर की टीम ने 13 ओवर में 3 विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मनोज बिष्ट ने 37 रन की अहम पारी खेली, जबकि अनुज चमोली ने 2 विकेट लिए। शानदार प्रदर्शन के लिए शीशपाल सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दिन का दूसरा मुकाबला सचिवालय पैंथर और सचिवालय बुल्स के बीच खेला गया। पैंथर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 117 रन बनाए, जिसमें सौरभ उनियाल ने 34 रन का योगदान दिया। बुल्स की ओर से विक्की ने 4 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बुल्स की टीम 99 रन पर ऑल आउट हो गई। सुधांशु राणा ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। पैंथर की ओर से अजीत शर्मा, जितेंद्र और प्रमोद ने 3-3 विकेट लेकर टीम को 18 रन से जीत दिलाई।

## संक्षिप्त समाचार...

### शहरी गतिशीलता की चुनौतियों का समाधान होगा

रुड़की(संवाददाता)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम और आईआईटी रुड़की के बीच शहरी परिवहन के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह साझेदारी दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर शहरी गतिशीलता की चुनौतियों का समाधान विकसित करने का लक्ष्य रखती है। शहरी गतिशीलता की चुनौतियों का समाधान होगा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम और आईआईटी रुड़की के बीच शहरी परिवहन क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू शनिवार को एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल और आईआईटी के डीन प्रो. आरडी गर्ग की उपस्थिति में किया गया। इस साझेदारी का उद्देश्य आईआईटी रुड़की की शैक्षणिक विशेषज्ञता और एनसीआरटीसी के व्यावहारिक अनुभव को एक साथ लाकर शहरी गतिशीलता की चुनौतियों का समाधान विकसित करना है। इसके तहत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से शोध परियोजनाओं पर कार्य करेंगे तथा परिवहन क्षेत्र के लिए व्यावहारिक और लागू किए जा सकने वाले समाधान तैयार किए जाएंगे।

### अवैध खनन मामले में तीन ट्रैक्टर सीज

रुड़की(संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ शुक्रवार रात विशेष अभियान चलाया। रायसी चौकी क्षेत्र के प्रतापपुर रायसी गांव में दबिश देकर तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज कर दी। लक्सर कोतवाली बराबरी निरीक्षक प्रवीण सिंह कोश्यारी नें रायसी चौकी पुलिस को देर रात प्रतापपुर रायसी क्षेत्र में अवैध खनन की सूचना मिली। सूचना मिलते ही रायसी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अजय कुमार, कांस्टेबल महेंद्र सिंह और कांस्टेबल अनिल वर्मा ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और अवैध खनन में लगी तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर सीज कर दिया।

### एक डॉक्टर पर बढ़ा मरीजों का दबाव, सिविल अस्पताल में दिनभर लगी कतार

रुड़की(संवाददाता)। सिविल अस्पताल में शनिवार को जनरल फिजिशियन की कमी मरीजों पर भारी पड़ गई। अस्पताल में तैनात तीन जनरल फिजिशियन में से केवल एक चिकित्सक के उपलब्ध रहने के कारण मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही ओपीडी में लंबी कतारें लग गई और मरीज अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। अस्पताल में शनिवार को जनरल फिजिशियन डॉ. एके श्रीवास्तव ही ओपीडी में मौजूद रहे। वहीं डॉ. नितीश कुमार डे ऑफ पर थे, जबकि डॉ. मसरूफ अवकाश पर बताए गए। ऐसे में जनरल फिजिशियन की पूरी जिम्मेदारी एक ही डॉक्टर पर आ गई। इससे मरीजों की जांच और परामर्श में देरी हुई, जिससे कई मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ा।

### वायरल के बाद अब गले की जकड़न कर रही परेशान

रुड़की(संवाददाता)। लक्सर क्षेत्र में मौसम के उतार-चढ़ाव के कारण वायरल बुखार और गले के संक्रमण के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। अस्पतालों में भीड़ बढ़ने के साथ डॉक्टर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। पिछले कई दिनों से मौसम में उतार-चढ़ाव बना हुआ है, जिससे लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सरकारी अस्पतालों के अलावा निजी चिकित्सकों के यहां भी मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सबसे अधिक मरीज बुखार और गले के संक्रमण के सामने आ रहे हैं। पहले जहां अधिकतर मरीजों को बुखार की शिकायत थी, वहीं अब गले के संक्रमण के मामले बढ़ गए हैं।

# उत्तराखंड को मिली बड़ी सौगात: भूस्खलन प्रभावित स्थलों के सुधार हेतु 461 करोड़ स्वीकृत

**-चारधाम यात्रा मार्ग होगा और सुरक्षित, -134 पर व्यापक कार्यों को मंजूरी**
**-सीमांत क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुदृढ़ करने के लिए -09 पर भी विशेष फोकस**
**-मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्र सरकार का जताया आभार**
**- यात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा को मिलेगा नया मजबूती**

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में भूस्खलन प्रभावित स्थलों के उपचार एवं मरम्मत कार्यों के लिए 461 करोड़ की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं केंद्र सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने इसे राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला निर्णय बताया है, जिससे प्रदेश की सड़क अवसंरचना को नई मजबूती मिलेगी और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इस स्वीकृति के अंतर्गत उत्तरकाशी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-134 पर भूस्खलन से प्रभावित 17 स्थलों के उपचार के लिए ध्233 करोड़ तथा पिथौरागढ़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-09 के तवाघाट-घटियाबागड़ खंड पर 3 संवेदनशील स्थलों के लिए ध्228 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। यह पहल न केवल आपदा जोखिम को कम करने में सहायक होगी, बल्कि प्रदेश के दुर्गम एवं सीमांत क्षेत्रों में आवागमन को भी सुगम बनाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-134, जो चारधाम यात्रा का एक प्रमुख मार्ग है, उत्तराखंड में धरासू एवं कुठनोरी से यमुनोत्री धाम को जोड़ता है। यह मार्ग भूस्खलन की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील रहा है, जिसके कारण कई बार यातायात बाधित होता है और यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रस्तावित कार्यों के पूर्ण होने से इस मार्ग की स्थिरता बढ़ेगी, जिससे चारधाम यात्रा अधिक सुरक्षित एवं सुगम हो सकेगी। साथ ही धार्मिक पर्यटकों, पर्यावरण प्रेमियों एवं स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-09 पर तवाघाट-घटियाबागड़ खंड में भूस्खलन संभावित स्थलों के उपचार से सीमांत क्षेत्रों तक निर्बाध संपर्क स्थापित होगा। इससे न केवल स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से उत्तराखंड में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। यह स्वीकृति प्रदेश के समग्र विकास, पर्यटन को बढ़ावा देने और आपदा प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। "उत्तराखंड में भूस्खलन प्रभावित स्थलों के उपचार एवं मरम्मत के लिए ध्461 करोड़ की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। यह निर्णय राज्य में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने, चारधाम यात्रा को सुगम बनाने तथा सीमांत क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। हमारी सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास एवं नागरिकों की सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है।" - पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

### दून पुस्तकालय में हुआ तापस चक्रवर्ती की पुस्तक 'हम्पी: उत्कर्ष से अपकर्ष तक' का लोकार्पण

देहरादून(संवाददाता)। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में शनिवार को वरिष्ठ साहित्यकार तापस चक्रवर्ती की नई पुस्तक श्हम्पी: उत्कर्ष से अपकर्ष तकश का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं ने पुस्तक को विजयनगर साम्राज्य के इतिहास और हम्पी के वैभव का जीवंत दस्तावेज बताया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दून विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. सुरेखा डंगवाल रहीं, जबकि अध्यक्षता वरिष्ठ कवि डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने की। वक्ताओं ने कहा कि यह पुस्तक पाठक को 14वीं सदी के उस कालखंड में ले जाती है जब विजयनगर साम्राज्य अपने चरमोत्कर्ष पर था और फिर कैसे 16वीं सदी के तालीकोटा युद्ध के बाद इसका अपकर्ष हुआ। पुस्तक में विदेशी यात्रियों के विवरण, वीरुपाक्ष मंदिर का महत्व और बोलते खंडहरों की गाथा को बेहद रोचक तरीके से पिरोया गया है। लेखक तापस चक्रवर्ती, जो केंद्रीय जीएसटी विभाग से सहायक आयुक्त पद से सेवानिवृत्त हैं, की यह कृति श्वैली ऑफ वर्ड्सश (2025) में शॉर्टलिस्ट होने के साथ ही श्साहित्य सरस्वतीश और श्स्पर्श साहित्य सम्मानश जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी है। परिचर्चा में डॉ. जितेन ठाकुर और मुकेश नौटियाल ने भी विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारती मिश्र ने किया और चंद्रशेखर तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रो. गोविंद सिंह, डॉ. सुशील उपाध्याय, सोमवारी लाल उनियाल और इंदरजीत सिंह सहित शहर के अनेक साहित्यकार व प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

### वाद विवाद प्रतियोगिता का समापन

देहरादून(संवाददाता)। सरदार भगवान सिंह विश्वविद्यालय बालावाला में शनिवार को वाद विवाद प्रतियोगिता का समापन हुआ। कृत्रिम बुद्धिमता का युग प्रतिभा और नेतृत्व के अर्थ को पुनर्परिभाषित कर रहा है पर आधारित इस कार्यक्रम में देशभर से उत्साहपूर्वक भागीदारी देखी गई। अस्सी से अधिक टीमों ने पंजीकरण करवाया। जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के सौ से अधिक छात्रों वाली 46 टीमों को चयनित किया गया। कुलपति प्रो जे कुमार ने सरदार गुरचरण सिंह की विरासत का सम्मान करने और युवाओं में आलोचनात्मक सोच, बौद्धिक आदान प्रदान और स्वस्थ वाद विवाद को बढ़ावा देने वाले इस मंच की मेजबानी पर गर्व व्यक्त किया। उदघाटन समारोह के मुख्यअतिथि आईआरडीई डीआरडीओ देहरादून के वैज्ञानिक और निदेशक डॉ अजय कुमार रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

# कॉपियों की जांच पर छात्रों ने उठाए सवाल, विवि ने मांगे प्रत्यावेदन

उत्तरकाशी(संवाददाता)। परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी की शिकायतों का श्रीदेव सुमन विवि प्रशासन ने जल्द समाधान करेगा। विवि के अधिकारियों का कहना है कि रिजल्ट में हुई त्रुटियों का समाधान किया जाएगा। विवि के उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. हेमंत बिष्ट ने कहा कि किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। परीक्षा परिणामों से जुड़ी हर शिकायत का गंभीरता से समाधान किया जा रहा है। मूल्यांकन प्रक्रिया में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित परीक्षकों और कार्मिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार, अगस्तमुनि, कर्णप्रयाग, गोपेश्वर, जोशीमठ और ऋषिकेश परिसर समेत कई महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विवि की ओर से हाल में जारी परीक्षा परिणामों पर सवाल उठाए है। छात्रों का आरोप है कि कार्बनिक रसायन विज्ञान, समाजशास्त्र, नॉन कॉर्डेट जंतु विज्ञान, अंग्रेजी व अन्य कई विषयों में उन्हें शून्य या एक अंक तक दिए गए, जबकि उन्होंने प्रश्नपत्र सही तरीके से हल किए थे। मूल्यांकन कार्य में गड़बड़ी के विरोध में छात्र-छात्राएं आंदोलनरत है। छात्र संगठनों का कहना है कि 75 में से 25 अंक न्यूनतम उत्तीर्णांक होने के बावजूद कई छात्रों को 24 अंक देकर अनुत्तीर्ण घोषित किया गया जिससे महज एक अंक से सैकड़ों छात्र फेल हो गए। छात्रों ने मूल्यांकन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर कई तरह की सवाल उठाए है।पोखरी महाविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष आकाश चमोला, पूर्व अध्यक्ष अंशुल भंडारी व अन्य छात्रों ने विवि प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर प्रथम, तृतीय और पंचम सेमेस्टर के परिणामों में सुधार करने की मांग की है। उनका कहना है कि उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में जल्दबाजी और लापरवाही के कारण बड़ी संख्या में छात्र अनुत्तीर्ण हुए है। विवि के उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. बिष्ट का कहना है कि विवि सभी शिकायतों पर गंभीरता से काम कर रहा है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे सीधे विश्वविद्यालय या अपने-अपने कॉलेज के माध्यम से प्रत्यावेदन प्रस्तुत करें। हर शिकायत की जांच कर निष्पक्ष तरीके से समाधान किया जाएगा।मूल्यांकन प्रक्रिया में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित परीक्षकों और कार्मिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। साथ ही अगले बार से कुलपति के अनुमोदन के बाद मूल्यांकन केंद्रों में बदलाव भी किया जाएगा।

# ओलावृष्टि सेब की फ्लावरिंग तबाह

**-बागवानों ने की नुकसान का सर्वे कर उचित मुआवजा देने की मांग**

उत्तरकाशी(संवाददाता)। क्षेत्र में शनिवार दोपहर बाद हुई भारी ओलावृष्टि से सेब बागानों को नुकसान पहुंचा है। बगीचों में सेब की फ्लावरिंग ओलावृष्टि से नष्ट हो गई है। इससे किसान चिंतित नजर आने लगे हैं। बागवानों ने नुकसान का सर्वे कर उचित मुआवजा देने की मांग की है। शनिवार को क्षेत्र के करड़ा, सल्ला और धड़ौली में दोपहर बाद जमकर ओलावृष्टि हुई। बागवानों का कहना है कि इस समय बागानों में सेब की फ्लावरिंग चल रही है, ऐसे में ओलों की मार से भारी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय बागवान कपिल रतूड़ी, रामप्रसाद, विनोद रतूड़ी, जशवीर, श्याम लाल, जगदीश रतूड़ी, विजेंद्र रावत, अमीन सिंह और गोपाल भंडारी ने बताया कि अचानक हुई ओलावृष्टि से पेड़ों पर आए नाजुक फूल झड़ गए हैं। सेब की फ्लावरिंग प्रभावित होने से इस सीजन की पैदावार कम होनी तय है। बागवानों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह बना रहा तो नुकसान और बढ़ सकता है। उनका कहना है कि सेब की खेती ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है और इस तरह की प्राकृतिक आपदा से उन्हें भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने कृषि एवं उद्यान विभाग से भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का आकलन करने और बागवानों को राहत प्रदान करने की मांग की है।सेब आड़ू, पुलम खुमानी की फसल को हुआ भारी नुकसान: पहले सूखे से और अब ओलावृष्टि ने काश्तकारों की चिंता बढ़ा दी है। शनिवार को हुई ओलावृष्टि और तेज आंधी से पल्ली मुंगरसन्ति के धारी कफनौल क्षेत्र में सेब आड़ू, पुलम खुमानी की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। तेज बारिश और ओलों की मार से गेहूं, टमाटर, मटर, फ्रेंचबीन, प्याज, लहसुन की फसल भी खराब हो गई है। धारी कफनौल क्षेत्र में जमकर हुई ओलावृष्टि से सेब की फसल को बचाने के लिए लगाई गई जालियां फट गई। तेज आंधी से सेब की पौधों की टहनियां तक टूट गई और फूल झड़ गए। किसान भूषण से सम्मानित हिमरौल गांव के काश्तकार जगमोहन राणा और रमेश इंदवाण ने बताया कि काश्तकारों की आजीविका नगदी फसलों पर निर्भर है। ओलावृष्टि और आंधी से नगदी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। आज कल सेब की पौधों पर फ्लावरिंग हो रही है, तेज आंधी से फूल झड़ गए हैं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से क्षेत्र का मुआयना करने की मांग की है।

### आस्था भट्ट मिस और हिमानी मिसेज उत्तरकाशी बनीं

उत्तरकाशी(संवाददाता)। कर्तव्य फाउंडेशन की ओर से आयोजित कर्तव्य यूथ उत्सव का अंतिम सांस्कृतिक संध्या हिमाचल प्रदेश के लोक गायक अरुण जस्टा के नाम रही। इस दौरान हुई प्रतियोगिता में आस्था भट्ट मिस और हिमानी रमोला मिसेज उत्तरकाशी बनी। रामलीला मैदान में आयोजित कर्तव्य यूथ उत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ कर्नल अजय कोठियाल व बड़कोट नगर पालिका अध्यक्ष विनोद डोभाल ने किया। उन्होंने कर्तव्य फाउंडेशन के इस कार्यक्रम की सराहना की। इसके बाद हिमाचली गायक अरुण जस्टा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत हिमाली नाटियों से किया। इस दौरान तीन दिनों तक विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान मिस उत्तरकाशी में आस्था भट्ट प्रथम, खुशी द्वितीय व आयुषी नेगी तृतीय रही। वहीं, मिसेज उत्तरकाशी में हिमानी रमोला प्रथम, साक्षी पंवार द्वितीय, विनीता सेमवाल तृतीय स्थान पर रही। मिस्टर उत्तरकाशी में आयुष्मान जगूड़ी प्रथम, आयुष भट्ट द्वितीय, कुशल कुमार तृतीय स्थान पर रहे। इस मौके पर चिन्यालीसौड़ दीप्ति, कमलेश्वरी, प्रीति, दीपक, उपतिस, आयुष बिष्ट आदि मौजूद रहे।

# गंगोत्री धाम में अब शाम चार बजे तक होंगे मां गंगा के दर्शन

उत्तरकाशी(संवाददाता)। गंगोत्री मंदिर समिति की ओर से धाम में मुख्य मंदिर के दर्शन के लिए समय में बदलाव किया गया है। समिति के अनुसार अब श्रद्धालु दिन में शाम चार बजे तक गंगा जी के दर्शन कर पाएंगे। उसके बाद शाम पौने आठ बजे तक गंगा के शयनकाल के लिए कपाट बंद कर दिए जाएंगे। पौने आठ बजे होने वाली गंगा आरती के बाद रात दस बजे तक श्रद्धालु दर्शन कर पाएंगे। शनिवार को गंगोत्री धर्मशाला में गंगोत्री मंदिर समिति सहित तीर्थ पुरोहितों की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें आय व्यय के साथ ही इस वर्ष के मुख्य मंदिर में पुजारी और अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में सबसे अहम निर्णय गंगोत्री मंदिर दर्शन की समय सारिणी के लिए लिया गया। गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि गत वर्ष तक धाम में मां गंगा के दर्शन सुबह छह से दोपहर दो बजे तक होते थे। उसके बाद मंदिर के कपाट तीन बजे तक बंद कर दिए जाते थे और उसके बाद दोबारा दर्शन होते थे। इसलिए इस बार सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अब मंदिर के दर्शन शाम चार बजे तक होंगे। उसके बाद पौने आठ बजे सांयकालीन गंगा आरती के दौरान मंदिर के कपाट दोबारा दर्शन के लिए खोले जाएंगे।समिति के मीडिया प्रभारी सतेंद्र सेमवाल ने बताया कि यह निर्णय यात्रियों को धाम में रोकने के लिए लिया गया है। इस बीच में यात्री घाटों पर पूजा सहित अन्य मंदिरों के दर्शन और घाट पर होने वाल सात बजे की आरती में भी शामिल हो पाएंगे।

## सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ वार्षिकोत्सव

उत्तरकाशी(संवाददाता)। अल्पाइन पब्लिक स्कूल का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। शनिवार को कलेक्ट्रेट के प्रेक्षागृह में आयोजित वार्षिकोत्सव का शुभारंभ गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने किया। प्रधानाचार्य सेवानिवृत्त मेजर आरएस जमानल ने वार्षिक प्रगति आख्या सबके सामने रखी। कहा कि विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति श्रीमद्भागवत गीता पाठ से किया। इसके बाद गढ़वाली, कुमाउंनी, जौनसारी, जौनपुरी सहित हिंदी, भोजपुरी गानों पर रंगारंग प्रस्तुति दी। वहीं, छात्राओं ने अपनी बोली अपनी भाषा पर को लेकर अभिभावकों को जागरूक किया। साथ ही नाटक के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्त के प्रति भी लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर नगर पालिका सभासद अमेरिकन पुरी, आदित्य चौहान, भारतभूषण भट्ट, सतीश नौटियाल, नीलम पुरी, निधि गुप्ता, अंजना भंडारी, दीक्षा, कोमल कुटियाल, स्वाति आदि मौजूद रही। संवाद

## छात्राओं को बताई स्टोन पेंटिंग की बारीकियां

उत्तरकाशी(संवाददाता)। पीजी कॉलेज में दो दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी और कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को स्टोन पेंटिंग की बारीकियों की जानकारी दी। पीजी कॉलेज में आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी और कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. पंकज पंत ने किया। वहीं, चित्रकला विभाग के प्रभारी डॉ. मनीष सेमवाल ने बताया कि दो दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को स्टोन पेंटिंग की बारीकियां के बारे में बताया गया। इससे प्रतिभागियों को नवीन कला तकनीकों को सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही डॉ. दिव्य थापा ने बाटिक प्रिंटिंग पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर डॉ. मधु बहुगुणा, डॉ. विनीता कोहली, डॉ. लोकेश सेमवाल, डॉ. रमेश सिंह, डॉ. प्रवीण भट्ट, डॉ. नेहा गोस्वामी, डॉ. नेहा तिवारी, डॉ. नीतू सिंह, डॉ. सुनीता मेहता, डॉ. बच्चन लाल आदि मौजूद रहे।

## पांच वर्ष बाद भी नहीं बन पाए आपदा में बहे पुल

उत्तरकाशी(संवाददाता)। वर्ष 2021 की आपदा में मांडो-तेखला बाईपास और साड़ा के समीप बहे पुलों का पांच वर्ष बाद भी निर्माण नहीं हो पाया है। मांडो में जर्जर बैली ब्रिज से वाहनों की आवाजाही हो रही है। दोनों पुल एक बड़ी आबादी के साथ ही गंगोत्री-केदारनाथ यात्रा सहित वन-वे सिस्टम को जोड़ने वाले मार्ग पर अहम भूमिका निभाते हैं। वर्ष 2021 में मांडो सहित कंकराड़ी और साड़ा में आपदा आई थी। इस दौरान मांडो-तेखला बाईपास का पुल बहने के कारण वहां पर कई दिनों तक आवाजाही बंद रही थी। साथ ही साड़ा के समीप पुल बहने के कारण बाड़ागड्डी के आधे क्षेत्र और धौंतरी क्षेत्र का जनपद मुख्यालय से संपर्क कट गया था। साड़ा में लोनिवि की ओर करीब 20 मीटर लंबे बैली ब्रिज का निर्माण कर आवाजाही शुरू करवाई गई। साथ ही मांडो में गदेरे के बीच से ही सड़क का निर्माण कर आवाजाही शुरू करवाई गई लेकिन आपदा के पांच वर्ष बीतने के बाद भी दोनों स्थानों पर पुल का निर्माण नहीं हो पाया है। मांडो निवासी इंद्रेश उनियाल ने बताया कि बारिश के दौरान गदेरे में पानी आने के कारण वहां पर वाहनों की आवाजाही में खतरा बना रहता है। साथ ही मानसून सीजन में कई बार आवाजाही बंद हो जाती है जबकि यह मांडो-तेखला बाईपास सहित उत्तरकाशी लंबगांव मोटर मार्ग यात्रा के दौरान वन-वे और गंगोत्री-केदारनाथ यात्रा के मुख्य आवाजाही के मार्ग हैं।उसके बावजूद शासन-प्रशासन इसके निर्माण पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं कर रहा है। इससे चारधाम यात्रा में यात्रियों के साथ स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लोनिवि के एई स्वरोज चौहान का कहना है कि मांडो पुल की डीपीआर एक सप्ताह के भीतर शासन को भेजी जाएगी। जल्द ही इसकी आगे की प्रक्रिया शुरू किया जाएगा।

## घरों के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन बदलने का काम शुरू

उत्तरकाशी(संवाददाता)। कोटियाल गांव में कई आवासीय घरों के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन की खुली तारों से बने खतरे से अब ग्रामीणों को निजात मिलने वाली है। ऊर्जा निगम ने कोटियाल गांव में खुली तार वाली लाइन को बदल कर उनकी जगह बंच केबल बिछाने का कार्य शुरू कर दिया है। विभाग की इस कार्रवाई के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में बने बरात घर, प्राथमिक विद्यालय और शिव मंदिर के समीप स्थित आवासीय भवनों के पास खुली तारों वाली लाइन से ज्यादा समस्या है। विद्युत लाइन की खुली तारें पेड़ों को छू कर गुजर रही है। कई बार हवा चलने पर भी लाइन में फॉल्ट आने से लो-वोल्टेज की समस्या उपन्न हो जाती है जिससे लोगों के टीवी फ्रीज नहीं चल पाते हैं। जिला पंचायत सदस्य विजय बंधानी का कहना है कि उन्होंने लिखित रूप में बंच केबल वाली लाइन बिछाने का अनुरोध किया था जिसका कार्य शुरू हो गया है। बंच केबल बिछने से ग्रामीणों को राहत मिलेगी और करंट की घटनाओं का भी भय नहीं रहेगा। ऊर्जा निगम के सहायक अभियंता अजय सेमवाल का कहना है कि आरडीएसएस योजना के तहत सभी गांव में बंच केबल और सड़े पोलों को बदला जाना है जिससे विद्युत चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा और करंट लगने की घटनाएं भी घटित नहीं होगी।

# मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया दून बुक फेस्टिवल-2026 का शुभारंभ

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को देहरादून में आयोजित "दून बुक फेस्टिवल-2026" का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकाशकों द्वारा लगाये गये स्टॉल का अवलोकन और गढ़वाली एवं कुमांऊनी पुस्तकों का विमोचन भी किया। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने देशभर से आए साहित्यकारों, कलाकारों एवं साहित्य प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह महोत्सव साहित्य, संस्कृति और कला का अद्भुत संगम है, जो समाज में ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान को नई दिशा प्रदान करेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस 9 दिवसीय महोत्सव में विभिन्न सत्रों, संवाद कार्यक्रमों, पुस्तक परिचर्चाओं तथा "लेखक से मिलिए" जैसे आयोजनों के माध्यम से साहित्यिक विमर्श को समृद्ध किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों के लिए स्थापित

"चिल्ड्रेन पवेलियन" को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि इससे नई पीढ़ी में पठन-पाठन की रुचि विकसित होगी।मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड की समृद्ध साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि देवभूमि की इस पावन भूमि ने अनेक महान साहित्यकारों को जन्म दिया है और यह प्रदेश सदैव ज्ञान, संस्कृति एवं सृजन का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। "उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान", "साहित्य भूषण" तथा अन्य पुरस्कारों के माध्यम से साहित्यकारों को सम्मानित किया जा रहा है, साथ ही विभिन्न भाषाओं में ग्रंथ प्रकाशन हेतु अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में साहित्य ग्रामों की स्थापना की जा रही है, जिससे साहित्यकारों को सृजन के लिए अनुकूल वातावरण मिल सकेगा तथा उत्तराखंड को साहित्यिक पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा।मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुस्तकें केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान का स्थायी स्रोत हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी समाज को दिशा प्रदान करती हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे विभिन्न अवसरों पर उपहार स्वरूप पुस्तकों एवं पौधों को प्रोत्साहित करें, जिससे समाज में ज्ञान और पर्यावरण दोनों के प्रति जागरूकता बढ़े।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को पुनः प्रतिष्ठित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार भी उत्तराखंड की साहित्यिक धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों को शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन प्रदेश की साहित्यिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

### प्रियंका नेगी बनीं काव्य प्रतियोगिता की विजेता

देहरादून(संवाददाता)। श्मंच शब्दों का संसारश संस्था के सौजन्य से शनिवार को दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में आधुनिक मीरा के नाम से विख्यात पद्मभूषण महादेवी वर्मा की स्मृति में कवि सम्मेलन और मुशायरे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता मीरा नवेली ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अंबिका सिंह श्रूहीश मौजूद रहीं। मंच संचालन नीलेश शर्मा ने अपने विशिष्ट अंदाज में किया। गोष्ठी में आरिफ अतिब, कमाल तकि, एएस शाह, सविता कोटनाला, आयुष शर्मा, राजीव शबिल्लाश, गौरव, खुशी सुदी, अंकित कम्बोज, तसनीमा कौसर, डॉ. राशि श्कशिशश और सौम्या बेनीवाल ने अपनी मर्मस्पर्शी रचनाओं और कलामों का पाठ किया।

## बेटी संग महिला ने की पति की हत्या, फिर कही सुसाइड की बात... पुलिस ने किया खुलासा

हरिद्वार(संवाददाता)। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में हुई एक शख्स की मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मृतक की पत्नी व बेटी ने पहले इसे आत्महत्या बताने की कोशिश की थी, हालांकि पुलिस उनके झांसे में नहीं आई और हत्या की इस वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस वारदात के सिलसिले में मृतक की पत्नी को गिरफ्तार करते हुए उसकी नाबालिग बेटी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला ने अपने अवैध संबंध का पता चलने की वजह से पति को रास्ते से हटा दिया। महिला ने बताया कि उसने पति की हत्या करने के बाद उसे जहरीला घोल पिला दिया था। यह वारदात कोतवाली श्यामपुर क्षेत्र के ग्राम लाहडपुर में हुई। शनिवार को मामले का खुलासा करते हुए हरिद्वार पुलिस ने बताया कि जब बेहद सतर्कता के साथ इस केस की गहन जांच की गई, तो यह मामला हत्या का निकला। इस वारदात में मृतक की पत्नी और नाबालिग पुत्री की मिलीभगत सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दो अप्रैल को पूजा नामक महिला ने पुलिस को सूचना दी थी कि उसके पति बबलू ने शराब के नशे में जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फील्ड यूनिट ने मौके का निरीक्षण किया, जहां परिस्थितियां संदिग्ध पाई गईं। जिसके बाद पुलिस ने सबूत इकट्ठा कर जांच शुरू की।मृतक के भाई व बेटे ने लगाया हत्या का आरोप: मामले में नया मोड़ तब आया जब मृतक के भाई राजू ने तहरीर देकर मृतक की पत्नी, बेटी और एक अन्य युवक पर हत्या का आरोप लगाया। इस आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच को आगे बढ़ाया। पूछताछ और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण के दौरान मृतक के बेटे ने खुलासा करते हुए बताया कि उसकी मां और बहन ने मिलकर उसके पिता की हत्या की है।महिला बोली- पति शराब के नशे में करता था मारपीट: पुलिस पूछताछ में आरोपी पत्नी ने बताया कि मृतक को उसके अवैध संबंधों की जानकारी हो गई थी, जिसके चलते वह अक्सर शराब के नशे में मां-बेटी से मारपीट करता था। इसी से परेशान होकर दोनों ने हत्या की योजना बनाई। घटना वाले दिन दोनों ने मिलकर मृतक को शराब में नींद की दवा मिलाकर पिला दी, इसके बाद दुपट्टों से हाथ-पैर बांधकर तकिये से मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी गई।

## भूख हड़ताल पर बैठे भूपेंद्र को पुलिस ने उठाया

बागेश्वर (संवाददाता)। शामा बाजार से शराब की दुकान हटाने की मांग को लेकर आंदोलन जारी है। तीन दिन से भूख हड़ताल पर बैठे भूपेंद्र कोरंगा को प्रशासन ने जबरन उठाकर सीएचसी कपकोट में भर्ती किया है। उनका ब्लड प्रेशर लो हो गया था। उनके स्थान पर महिला मंगल दल की 22 साल की मंजू ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में शराब की दुकान को कतई सहन नहीं किया जाएगा। मालूम हो कि चार दिन से शामा में विदेशी शराब की दुकान हटाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल जारी है। शुक्रवार की रात करीब साढ़े आठ बजे पुलिस प्रशासन की टीम आंदोलन स्थल पर पहुंची। इस दौरान उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे भूपेंद्र के स्वास्थ्य की जांच की। बीपी कम होने की शिकायत पर उन्हें जबरन उठाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामा ले गए। यहां से उपचार के लिए सीएचसी कपकोट भर्ती किया। उन्हें ड्रिप चढ़ाई है। स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। इस दौरान आंदोलनकारियों ने जोरदार विरोध किया। महिलाएं वहां जमीं रहीं। शनिवार की सुबह आंदोलन स्थल पर महिला मंगल दल से जुड़ी महिलाएं पहुंची। 22 साल की मं मंजू कोरंगा भूख हड़ताल पर बैठ गईं।

ग्रामीणों ने कहा कि प्रशासन उनके आंदोलन को दबाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन वह किसी की भी सूरत में नहीं झुकेंगे। आंदोलन की अलख जली रहेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं आंदोलन स्थल पर पहुंची। सभी ने एक स्वर में कहा कि क्षेत्र में शराब की दुकान कतई सहन नहीं की जाएगी। पुलिस पर जबरन आंदोलन को कमजोर करने का भी आरोप लगाया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य विजया कोरंगा, नंदन सिंह, शांति देवी, पुष्पा देवी, ज्योति दानू, खष्टी कोरंगा मौजूद रहे। एसओ प्रताप नगरकोटी पुलिस बल के साथ निगरानी कर रहे हैं।

## काशीपुर में स्वयंसेवकों ने किया पथ संचलन

काशीपुर (संवाददाता)। संघ के शताब्दी वर्ष और वर्ष प्रतिपदा पर्व के उपलक्ष्य में आवास विकास के विवेकानंद उपनगर की सुभाष बस्ती, वैशाली बस्ती और खोखरा बस्ती में राष्ट्रीय स्वयंसेवकों ने पथ संचलनकिया। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। पथ संचलन से पूर्व, आवास विकास स्थित विवेकानंद योग पार्क में उपनगर के स्वयंसेवक बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय संयोजक मंच के कला देवेंद्र रावत ने संघ के सौ वर्षों के इतिहास और नव संवत्सर पर प्राचीन संस्कृति पर प्रकाश डाला। उन्होंने पंच परिवर्तन का संदेश देते हुए समग्र हिंदू समाज को संगठित और एकजुट होने पर विशेष जोर दिया। यहां कार्यक्रम अध्यक्ष प्रांतीय मार्ग प्रमुख अमर पाल सिंह यादव, सह जिला प्रचार प्रमुख प्रेम सिंह चौहान आदि रहे।

## संक्षिप्त समाचार...

### मंत्री खजानदास ने राज्यपाल से शिष्टाचार

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री खजानदास ने आज लोक भवन में उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान समाज कल्याण मन्त्री द्वारा सामाजिक कल्याण, अनुसूचित जाति और जनजाति कल्याण तथा अल्पसंख्यक कल्याण हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में राज्यपाल को अवगत कराया गया। मंत्री ने समाज के हित में हम इसके अतिरिक्त और अधिक क्या-क्या काम कर सकते हैं के साथ-साथ विभिन्न विकास योजनाओं, नीतिगत मुद्दों सहित अनेक समसामयिक विषयों पर चर्चा की।

### छात्रों को दें सरकार की योजनाओं की जानकारी

देहरादून(संवाददाता)। खंड शिक्षा अधिकारी रायपुर हेम लता गौड़ ने शनिवार को रायपुर ब्लॉक के राजकीय विद्यालयों के प्राचार्यों के साथ बैठक की। जिसमें मुख्य रूप से राजकीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए घर- घर जाकर संपर्क करने और सरकार की ओर से उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की जानकारी देते हुए प्रवेश के लिए प्रेरित करने को अभियान चलाने के निर्देश दिए।

### सूचना अधिकारी बद्री चंद्र नेगी को किया सम्मानित

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड सामाजिक सम्मान सेवा ट्रस्ट ने शनिवार को जिला सूचना अधिकारी बद्री चंद्र नेगी को देवभूमि विभूति सम्मान देकर सम्मानित किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजू वर्मा ने कहा कि जिला सूचना अधिकारी बद्री चंद्र नेगी मृदुभाषी और व्यवहारिक हैं। उन्होंने अपने विभाग और पत्रकारों के बीच सामंजस्य बना कर रखा है।

# मामले का खुलासा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजुनाथ टीसी के निर्देशन में किया गया

हल्द्वानी (संवाददाता)। /मुखानी थाना क्षेत्र में हुई दो बड़ी चोरियों का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। हैरानी की बात यह है कि चोरी करने वाला पेशे से राजमिस्त्री निकला, जो काम के बहाने घरों की रेकी करता और फिर सुनियोजित तरीके से चोरी को अंजाम देता था।मामले का खुलासा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजुनाथ टीसी के निर्देशन में किया गया।यह चोर पहले राजमिस्त्री बन कर घरो में काम करता था, इस दौरान घर की हर जगहों से वाफिक हो जाता था, मजेदार बात यह की यह सारा काम बिना किसी मोबाईल और बिना की साथी के अकेले ही करता था, पुलिस ने शहर के लगभग 250 सीसीटीवी कैमरे खंगाले और सर्विसलांस की मदद से इस चोर को पहचाना, 03 अप्रैल 2026 को पुलिस टीम ने मुंशी राम उर्फ सोनू (41 वर्ष), निवासी सहारनपुर को गुसाईपुर तिराहे के पास से गिरफ्तार किया।पुलिस ने आरोपी के पास से सोने-चांदी के आभूषण (मंगलसूत्र, अंगूठी, झुमके, चेन आदि) नगदी 22,460कुल मिलाकर 9 लाख रुपये से अधिक का सामान बरामद हुआ।मामला 1 सत्यानंद कॉलोनी में नगदी और चांदी के जेवर चोरीमामला 2 हरि शिव विहार में ताला तोड़कर सोने-चांदी के गहने चोरीदोनों वारदातों में यही आरोपी शामिल पाया गया।मुंशी राम का आपराधिक रिकॉर्ड भी चौंकाने वाला है,,उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और हिमांचल में कई मुकदमे दर्ज हैं।पहले से ही 9 से अधिक केस अन्य राज्यों में भी उसके अपराध ों की जांच जारी है।इस बड़ी सफलता पर ने पुलिस टीम को घ1500 नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

# स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर रेडक्रॉस ने की सीएमओ से वार्ता

अल्मोड़ा (संवाददाता)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की मांग को लेकर रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा अधि

कारी से मुलाकात कर विभिन्न समस्याओं को उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति में सुधार के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग की। बैठक में सोसाइटी के पदाधिकारियों ने बताया कि कई सरकारी अस्पतालों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिससे मरीजों को उपचार के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दवाइयों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया, क्योंकि कई बार मरीजों को बाहर से महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ती हैं। प्रतिनिधिमंडल ने ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष चिंता जताते हुए कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी बनी हुई है, जिससे मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। गंभीर मामलों में मरीजों को लंबी दूरी तय कर जिला अस्पताल आना पड़ता है।

## मेयर के खिलाफ भ्रामक बयानबाजी के विरोध में नगर निगम पार्षदों ने की बैठक

अल्मोड़ा (संवाददाता)। नगर निगम सभागार में पार्षदों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें हाल ही में जिलाधिकारी द्वारा नगर बाजार क्षेत्र में किए गए निरीक्षण पर चर्चा की गई। पार्षदों ने निरीक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यदि उन्हें पूर्व में इसकी सूचना मिलती तो वे अपने-अपने वार्डों की समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत करा सकते थे। बैठक में पिछले दिनों सोशल मीडिया पर महापौर को लेकर प्रसारित कथित भ्रामक और तथ्यहीन टिप्पणियों पर भी चिंता व्यक्त की गई। पार्षदों ने कहा कि बिना आधिकारिक जानकारी के इस प्रकार की बयानबाजी कर आम जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है, जो निंदनीय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस दिन जिलाधिकारी का भ्रमण हुआ, उस कार्यक्रम की जानकारी महापौर को नहीं थी, ऐसे में बिना तथ्य के टिप्पणी करना उचित नहीं है। पार्षदों ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से नगर की छवि धूमिल होती है और इसकी वे सामूहिक रूप से निंदा करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से इस तरह के भ्रामक और तथ्यहीन समाचार प्रसारित किए जाते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए सभी पार्षद एकजुट होकर कदम उठाएंगे। बैठक में पार्षद दीपक कुमार, वंदना वर्मा, भूपेंद्र जोशी, आशा बिष्ट, गुंजन सिंह चम्याल, चंचल दुर्गापाल, रोहित कार्की आदि पार्षद मौजूद रहे।

## गोविन्द पिलख्वाल को राज्य मंत्री दर्जा मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

अल्मोड़ा (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी अल्मोड़ा द्वारा आयोजित एक स्वागत कार्यक्रम में पार्टी नेता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष गोविन्द पिलख्वाल को उत्तराखण्ड सरकार में हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद का उपाध्यक्ष (दर्जा राज्य मंत्री) नियुक्त किए जाने पर कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मिष्ठान वितरण कर खुशी व्यक्त की गई और क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रति आभार जताया और कहा कि अल्मोड़ा को यह जिम्मेदारी देकर क्षेत्र का मान बढ़ाया गया है। वक्ताओं ने कहा कि यह नियुक्ति समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक है और इससे विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में तेजी आएगी। जिला अध्यक्ष महेश नयाल ने कहा कि गोविन्द पिलख्वाल का वर्षों का समर्पण और संघर्ष इस जिम्मेदारी के रूप में सामने आया है और उनके नेतृत्व में हस्तशिल्प एवं हथकरघा क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी। विधायक मोहन सिंह मेहरा ने कहा कि इस नियुक्ति से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी और इसका लाभ आगामी चुनावों में पार्टी को मिलेगा। मेयर अजय वर्मा ने गोविन्द पिलख्वाल को कर्मठ एवं जमीनी नेता बताते हुए कहा कि उनकी नई जिम्मेदारी क्षेत्र के विकास को गति देगी। पूर्व विधायक कैलाश शर्मा ने इसे अल्मोड़ा के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि उनके अनुभव का लाभ पूरे प्रदेश को मिलेगा। कार्यक्रम में गंगा बिष्ट, प्रदीप मेहता, कृष्ण बहादुर, जगत तिवारी, मनोज सनवाल, मनोज तिवारी, सुनील कर्नाटक, सुंदर मटियानी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में 52वें कृषि विज्ञान मेले का भव्य आयोजन

अल्मोड़ा (संवाददाता)। भाकृअनुप-विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, हवालबाग में श्खेती में नवीनताश्र पोषण में श्रेष्ठताश थीम पर 52वें कृषि विज्ञान मेले का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। मेले में पर्वतीय कृषि की आधुनिक तकनीकों और शोध परिणामों को किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने किया। इस दौरान विभिन्न वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने भी भागीदारी की। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम और परिषद गीत से हुई, जिससे आयोजन को गरिमामय वातावरण मिला। मेले के तहत किसानों को प्रक्षेत्र भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने उन्नत फसलों और नवीन तकनीकों का अवलोकन किया।

मुख्य अतिथि ने शताब्दी महिला छात्रावास का शिलान्यास भी किया और प्रदर्शनी स्टालों का निरीक्षण कर वैज्ञानिकों से जानकारी ली। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कांत ने संस्थान की उपलब्धियों और पर्वतीय कृषि में योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संस्थान 200 से अधिक उन्नत प्रजातियां विकसित कर चुका है। उन्होंने बायोफोर्टिफाइड मक्का की किस्मों श्वीएल त्रिपोषीश और श्वीएल सुपोषिताश को पोषण सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। मुख्य अतिथि डॉ. जाट ने वैज्ञानिकों के कार्यों की सराहना करते हुए संतुलित उर्वरक उपयोग, आधुनिक कृषि तकनीकों और वैकल्पिक खेती को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन और पॉलीहाउस जैसी तकनीकों से किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है तथा पलायन रोकने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया और विभिन्न योजनाओं के तहत कृषि यंत्रों का वितरण भी किया गया। साथ ही संस्थान की नई प्रजातियों और प्रकाशनों का लोकार्पण किया गया। मेले में विभिन्न संस्थानों द्वारा लगभग 40 प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए, जबकि 10 जिलों से आए 1100 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कृषक गोष्ठी में विशेषज्ञों ने किसानों की समस्याओं का समाधान भी किया। आयोजन में वैज्ञानिकों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में किसानों की सहभागिता रही।

## व्याख्यान में छात्रों ने लिया स्वस्थ और अनुशासित जीवन का संकल्प

अल्मोड़ा (संवाददाता)। राजकीय मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा में नेशनल मेडिकल ऑर्गेनाइजेशन के पूर्व अध्यक्ष एवं गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज भावनगर तथा जाइडस मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल दाहोद के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. सीबी त्रिपाठी के प्रवास के दौरान छात्र-छात्राओं के लिए एक्स्ट्रा म्यूरल सह प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बैच 2023, 2024 और 2025 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। व्याख्यान में डॉ. त्रिपाठी ने स्वास्थ्य सेवा को राष्ट्र सेवा का माध्यम बताते हुए छात्रों से समर्पण और अनुशासन के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने परिसर को तंबाकू मुक्त, शराब मुक्त और सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प दिलाया तथा छात्रों को बेहतर डॉक्टर बनने के लिए नैतिक मूल्यों और अनुशासन पर जोर दिया। कार्यक्रम में संतुलित आहार के महत्व पर भी चर्चा की गई। इस दौरान छात्रों और शिक्षकों ने डॉ. त्रिपाठी के मार्गदर्शन में सामूहिक रूप से खिचड़ी तैयार की, जिसमें 60 से अधिक छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। बैच 2023 की छात्रा प्रतिज्ञा राठौर को श्मोस्ट पॉपुलर स्टूडेंट्स का पुरस्कार प्रदान किया गया।

## रेट्रो साइलेंसर लगाने वालों पर पुलिस की सख्ती, चार बाइक सीज

अल्मोड़ा (संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर जनपद में चलाए जा रहे विशेष चेकिंग अभियान के तहत कोतवाली अल्मोड़ा पुलिस ने ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार मोटरसाइकिलों को सीज किया है। पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा/यातायात बलवंत सिंह रावत के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अल्मोड़ा योगेश चंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नगर क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर वाहनों की गहन जांच की गई।

## ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा, मंगल-देश की बेटी के लिए दीपिका सिंह को फैंस ने दी बधाई

भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कई शो होते हैं जो दर्शकों के दिल में अपनी खास जगह बना लेते हैं। ऐसे ही शो में से एक है मंगल लक्ष्मी, जो अब अपने नए अध्याय मंगल-देश की बेटी के साथ दर्शकों के सामने आ रहा है। इस नई कहानी में मुख्य किरदार मंगल नई जिम्मेदारियों और चुनौतियों का सामना करती हैं। अभिनेत्री दीपिका सिंह ने इस नई यात्रा को लेकर इंस्टाग्राम पर एक भावपूर्ण पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी खुशी, उत्साह और टीम के प्रति आभार जताया। दीपिका ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह इस नए चौप्टर को लेकर पूरी तरह से अभिभूत और उत्साहित हैं। उन्होंने दर्शकों को बताया कि इस कहानी में मंगल को देश की सेवा का अवसर मिलता है और वह खुद को विशेष महसूस करती हैं।दीपिका ने अपने कैप्शन में लिखा, मंगल-देश की बेटी के इस नए सफर को निभाने के लिए मैं बेहद खुश, रोमांचित और उत्साहित हूं।उन्होंने अपने पोस्ट में टीम का भी धन्यवाद किया। दीपिका ने कहा कि पिछले 700 एपिसोड्स के दौरान पूरी टीम ने लगातार मेहनत और समर्पण दिखाया। उन्होंने बताया कि दर्शकों का समर्थन ही उनकी इस सफलता की सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने अपने फैंस से हर एपिसोड देखने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे इस शो का आनंद लेते रहेंगे।दीपिका के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किया।एक ने लिखा, दीपिका जी, आपका नया किरदार देखकर बहुत खुश हूं! मंगल का यह रूप बहुत प्रेरणादायक लग रहा है।दूसरे फैंस ने लिखा, आपकी मेहनत और एनर्जी सच में कमाल की हैं!अन्य ने लिखा, शो देखने के लिए अब और भी उत्साहित हो गए हैं, ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा।, आपकी एक्टिंग हमेशा दिल को छूती है। मंगल लक्ष्मी कन्नड़ टीवी सीरीज भाग्यलक्ष्मी का आधिकारिक रूपांतरण है। इस शो में दीपिका के अलावा सनिका अमित, नमन शॉ और शुभम दीप्ता मुख्य कलाकार हैं। इस कहानी में मंगल अपनी बहन लक्ष्मी के लिए सही जीवनसाथी खोजती हैं।

## रामायण पार्ट 1 टीजर: भगवान राम के रोल में रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक आउट, रावण के किरदार में दमदार दिखे यश

रामायण पार्ट 1 टीजर और फर्स्ट लुक आउट: रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, सनी देओल और रवि दुबे स्टारर फिल्म रामायण पार्ट 1 का टीजर हनुमान जयंती के मौके पर रिलीज हो गया है. टीजर में रणबीर कपूर की पहली झलक सामने आ चुकी है और फिल्म के बाकी कलाकारों की भी झलक देखने को मिल रही है. फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने आज सुबह-सुबह अपने ड्रीम प्रोजेक्ट रामायण पार्ट 1 का टीजर जारी किया है. इस फिल्म का निर्देशन दंगल के डायरेक्टर नितेश तिवारी ने किया है. चलिए देखते हैं कैसा है रामायण पार्ट 1 का टीजर और इनके माइथोलॉजी किरदार के फर्स्ट लुक.2.38 मिनट के टीजर की शुरुआत रावण की जलती हुई लंका से शुरू होती है, जिसके ऊपर चील-कौए मंडरा रहे हैं. इसके बाद रणबीर कपूर भवगान राम के किरदार में आसमान से नीचे गिरते हुए दिखते हैं, जिन्हें लंका एक दानव मारने को कूदता है. इसके बाद गेरूआ रंग के आसमान के बीच पहाड़ पर खड़े रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में हाथ में धनुष-बाण लिए नजर आते हैं.फिर रणबीर कपूर को बतौर भगवान राम अपने राजमहल में जाते हुए देखा जा रहा है. अगले ही सीन में वह एक राक्षस से लड़ते नजर आते हैं. फिर रणबीर धनुष उठाकर अपने चेहरा ही दिखाते ही हैं कि अगले ही सीन में वह पहाड़ में एक झरने के बीच हाथ जोड़े दिखते हैं.वहीं, अगले सीन में आप देखेंगे कि रणबीर कपूर बतौर राम अपनी पत्न सीता (साई पल्लवी) और छोटे भाई लक्ष्मण (रवि दुबे) के साथ राजमहल में चलते नजर आते हैं. इसके बाद रणबीर कपूर का भगवान राम का फर्स्ट लुक सामने आता है. रणबीर कपूर भगवान राम के रोल में बेहद शानदार दिख रहे हैं.इसके बाद रणबीर कपूर एक बड़े से दानव से जंगल में लड़ते नजर आते हैं. इसके बाद रणबीर कपूर को तलवारबाजी भी करते देखा जा रहा है. फिर अगले ही सीन में रवि दुबे बतौर लक्ष्मण और साई पल्लवी बतौर सीता मां देखा जा रहा है. टीजर के आखिरी में लंका नजर आती है और उस लंका में यश बतौर लंकेश्वर रावण के भेष में चलते दिख रहे हैं. इस सीन में यश का चेहरा तो नहीं दिखाया है, लेकिन उनका लुक बताता है कि वह बतौर रावम बहुत गदर मचाने वाले हैं.बता दें, फिल्म में सनी देओल बतौर हनुमान के रोल में नजर आएंगे, लेकिन आज उनका फर्स्ट लुक सामने नहीं आया है. 4000 करोड़ रुपये के बजट में तैयार हो रहे रामायण प्रोजेक्ट का पहला पार्ट 2026 के दिवाली के मौके पर रिलीज होगा. प्राइम फोकस स्टूडियोज द्वारा निर्मित यह फिल्म, आठ बार के एकेडमी अवॉर्ड विजेता प्रोडक्शन और विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के सहयोग से बनाई गई है.

## फिल्म आखिरी सवाल का टीजर जारी, आरएसएस के 100 साल का इतिहास लेकर आए संजय दत्त

एक ऐसी फिल्म जो उन सवालों को पूछने की हिम्मत करती है, जिसने एक सदी से भी ज्यादा समय से देश और यहां के युवाओं को उलझा रखा है. नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग के डायरेक्शन में बनी आखिरी सवाल का टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें संजय दत्त मुख्य भूमिका में हैं और इसे निखिल नंदा ने प्रोड्यूस किया है.महात्मा गांधी के निधन के बाद लगाए गए बैन से लेकर बाबरी मस्जिद ढहाने के आरोपों तक, आखिरी सवाल ऐसे गंभीर सवाल उठाती है, जिनके जवाब लोग लंबे समय से ढूंढ रहे हैं. निडर और बेबाक, यह टीजर इतिहास की गहराई में उतरता है और एक ऐसी कहानी पेश करता है जो निश्चित रूप से पूरे देश में एक नई बहस छेड़ देगी.संजय दत्त के साथ-साथ अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे शानदार कलाकारों से सजी आखिरी सवाल उन फिल्मों में से एक है जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अपनी अनाउंसमेंट के साथ ही हलचल मचाने के बाद, मेकर्स ने हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर टीजर रिलीज किया है, और इसने अभी से ही चर्चा बटोरनी शुरू कर दी है.यह बहुप्रतीक्षित टीजर फिल्म के विषय की एक पावरफुल झलक दिखाता है, जिसका मकसद उस छिपी हुई कहानी की परतों को खोलना है जिसे देश को देखने की जरूरत है. निडर, सीधा और बातचीत के अंदाज वाला यह टीजर एक ऐसी बहस छेड़ता है जिसके फिल्म रिलीज होने पर और भी तेज होने की उम्मीद है. कहानी विक्की की है, जो एक होनहार लेकिन थोड़ा गुस्सैल स्कॉलर है और प्रोग्रेसिव इंडिया का एक महत्वाकांक्षी युवा है.विक्की अपनी थीसिस रिजेक्ट होने के बाद अपने गुरु प्रोफेसर गोपाल नडकर्णी पर पक्षपात का आरोप लगाता है, जो शुरू में एक निजी एकेडमिक विवाद होता है, वो बाद में नेशनल टेलीविजन पर होने वाली बहस में बदल जाता है. यह फिल्म भारत के युवाओं के मन में उठने वाले सुलगते सवालों उनकी उम्मीदों, शंकाओं और ऐतिहासिक घटनाओं व तथ्यों के जरिए सच की उनकी तलाश को दिखाती है.फिल्म के केंद्र में गुरु-शिष्य के बीच का एक जबरदस्त टकराव है, जहां विक्की की लगातार पूछताछ एक गहरे व्यक्तिगत मकसद का खुलासा करती है. आखिर में, उसका आखरी सवाल एक सदी पुराने ऐसे राज से पर्दा उठाता है जो या तो प्रोफेसर को सही साबित कर सकता है या उन दोनों को बर्बाद.अभिजीत मोहन वारंग, जिन्होंने 2021 में मराठी ड्रामा पिकासो से अपने डायरेक्शन की शुरुआत की थी, उन्हें 67वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में स्पेशल मेंशन मिला था. उन्होंने मराठी और हिंदी सिनेमा में लगातार प्रभावशाली फिल्में दी हैं, जिनमें डेजा वू, प्रेम प्रथा धूमशान, पिकोलो और शॉर्ट फिल्म वर्चुअल रियलिटी शामिल हैं.निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म निखिल नंदा द्वारा पेश की जा रही है, जिन्होंने जियो हॉटस्टार और अन्य प्लेटफॉर्म्स के लिए कई प्रोजेक्ट्स किए हैं. आखरी सवाल को निखिल नंदा और संजय दत्त ने प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्जवल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, पटकथा और डायलॉग्स उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। संगीत मोंटी शर्मा ने दिया है और इसके बोल कुमार विश्वास ने लिखे हैं आखिरी सवाल 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है.

## धुरंधर 2 से डरी भूत बंगला, रिलीज डेट पोस्टपोन, पेड प्रीव्यू संग 16 अप्रैल को थिएटर्स में दस्तक देगी खिलाड़ी की फिल्म

भूत बंगला के मेकर्स ने हनुमान जयंती के मौके पर फिल्म से जुड़ी नई जानकारी साझा किया है. मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी है. अक्षय कुमार की यह फिल्म अब एक नई तारीख के साथ सिनेमाघरों में रिलीज होगी.भूत बंगला के मेकर्स ने दो पोस्ट शेयर किए हैं, जिसमें उन्होंने एक पोस्ट में फिल्म के पेड प्रीव्यू और दूसरे में फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन करने की बात कही है. नए पोस्ट में मेकर्स ने फिल्म के पेड प्रीव्यू के बारे में जानकारी देते हुए लिखा है, 16 अप्रैल को खुलेगा बंगला का गेट, अंदर डर और हंसी दोनों कर रहे होंगे आपका इंतजार. भूत बंगला, पेड प्रीव्यू थिएटर में 16 अप्रैल 2026, रात 9 बजे से शुरू होंगे.स्टेटमेंट में मेकर्स ने लिखा है, हमारे डिस्ट्रीब्यूटर्स और एग्जिबिटर्स के साथ मिलकर की गई बातचीत के बाद, हमने भूत बंगला की नई रिलीज डेट 16 अप्रैल तय की है, जिसका पहला शो रात 9 बजे शुरू होगा.मेकर्स ने आदित्य धर की निर्देशित और रणवीर सिंह की अभिनीत फिल्म धुरंधर: द रिवेंज के परफॉर्मेंस की भी बात कही है. स्टेटमेंट में उन्होंने आगे लिखा है, धुरंधर: द रिवेंज का बहुत अच्छा परफॉर्म करना हमारी फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक अच्छी खबर है और एग्जिबिटर्स को लगता है कि इस बदलाव से दोनों फिल्मों को वह जगह, फोकस और अटेंशन मिलेगा जिसकी वे हकदार हैं. भूत बंगला टीम 16 अप्रैल को रात 9 बजे से सिनेमाघरों में आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक है.भूत बंगला का पेड प्रीव्यू 16 अप्रैल को होगा, वही इसकी फुल रिलीज 17 अप्रैल 2026 को. फिल्म का पेड प्रीव्यू 16 अप्रैल, रात 9 बजे से होगा, जिसके बाद 17 अप्रैल 2026 को फुल रिलीज होगी. मेकर्स ने यह फैसला धुरंधर: द रिवेंज की जबरदस्त सफलता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जो अभी भी सिनेमाघरों में हाउसफुल चल रही है.भूत बंगला को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है. को-प्रोड्यूस विमल दोशी, फारा शेख और वेदांत विकास बाली ने किया है. जबकि प्रियदर्शन ने फिल्म को डायरेक्ट किया है. फिल्म में वामिका गब्बी, तब्बू, राजपाल यादव, मिथिला पालकर, असरानी और परेश रावल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं.

# मुख्यमंत्री ने केंद्रीय ऊर्जा एवं आवास मंत्री से भेंट कर राज्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर की चर्चा

**– कुंभ-2027 के सफल आयोजन हेतु हरिद्वार में विद्युत लाईनों को भूमिगत किये जाने के साथ बुनियादी ढांचे और यातायात सुधार के लिए सहयोग का किया अनुरोध**

**– हरिद्वार गंगा कॉरिडोर के लिए ध्325 करोड़ की धनराशि की सहायता का अनुरोध करते हुए आरआरटीएस और मेट्रो विस्तार का दिया प्रस्ताव**

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भेंट कर राज्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से हरिद्वार शहर में गंगा कॉरिडोर क्षेत्र से संबंधित लगभग ध्325 करोड़ की परियोजना के लिए धनराशि स्वीकृति का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने आगामी कुंभ-2027 के दृष्टिगत इस परियोजना के अंतर्गत विद्युत लाइनों के भूमिगतकरण एवं प्रणाली के स्वचालन हेतु भी प्रथम चरण में ध्325 करोड़ की धनराशि

शीघ्र स्वीकृत करने का अनुरोध किया, साथ ही द्वितीय चरण के अंतर्गत शेष लगभग ध्425 करोड़ की धनराशि भी अनुमोदित करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार एवं ऋषिकेश में आगामी कुंभ-2027 की तैयारियों के संदर्भ में हरिद्वार में घाटों के सौंदर्यीकरण, आवासीय सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं शहरी अवसंरचना के विकास हेतु केंद्र सरकार से आवश्यक सहयोग प्रदान किए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से राज्य में आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय यातायात को सुदृढ़ करने के हेतु रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना को मेरठ से हरिद्वार एवं ऋषिकेश तक विस्तारित करने के साथ ही देहरादून-हरिद्वार-ऋषिकेश मेट्रो कॉरिडोर के विकास का भी अनुरोध किया, ताकि इन शहरों के मध्य आवागमन को सुगम बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से क्षेत्र में सड़क यातायात पर निर्भरता कम होगी, यातायात जाम की समस्या में कमी आएगी तथा पर्यावरणीय दृष्टि से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

# दिल्ली,पुणे शहरों की तरह दून की पुलिसिंग को आधुनिक संसाधनों से पूर्ण करे सरकार

देहरादून(संवाददाता)। राजधानी में बिगड़ती कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए संयुक्त नागरिक संगठन द्वारा आयोजित संवाद में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोगों ने कई ठोस सुझाव दिए। वक्ताओं ने दिल्ली, पुणे, हैदराबाद और झांसी जैसे शहरों की तर्ज पर स्मार्ट पुलिसिंग की अवधारणा लागू करने पर जोर दिया। इसमें पुलिस को सख्त, संवेदनशील, आधुनिक, मोबाइल सतर्क, जवाबदेह, विश्वसनीय और तकनीकी रूप से प्रशिक्षित बनाने की बात कही गई।संवाद में अपराधियों पर खौफ पैदा करने के लिए केवल मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के निर्देशों को अपर्याप्त बताया गया। शराब सेवन को नियंत्रित करने के लिए बार, होटलों और रिसॉर्ट्स को रात 10 बजे तक बंद करने का सुझाव दिया गया। शिक्षण संस्थानों और छात्रावासों में नशीले पदार्थों के बढ़ते चलन पर चिंता जताते हुए प्रधंकों और मकान मालिकों की जिम्मेदारी तय करने की मांग उठी।वक्ताओं ने राजधानी में बाहरी लोगों का सौ प्रतिशत सत्यापन, 24 घंटे पुलिस पेट्रोलिंग, शिक्षण संस्थानों के बाहर लोकल इंटेलिजेंस पुलिस की निगरानी और कॉलोनियों में सीसीटीवी व मॉनिटरिंग व्यवस्था लागू करने पर बल दिया। यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए बड़े स्पीड डिस्प्ले बोर्ड लगाने और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के लाइसेंस रद्द करने का सुझाव दिया गया।संवाद में यह भी कहा गया कि राज्य की भूस्थितिकी और पर्यवरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए पर्यटन पर नियंत्रण जरूरी है। पुलिस विभाग में कार्मिकों और आधुनिक संसाधनों की कमी को भी बिगड़ती स्थिति का कारण बताया गया। कुल मिलाकर, नागरिकों ने पुलिस और प्रशासन से मिलकर राजधानी में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

## संक्षिप्त समाचार...

### वाहन की चपेट आने से एक व्यक्ति की मौत

देहरादून(संवाददाता)। स्प्रिंग बिल्ला क्षेत्र में पिकअप वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।पुलिस नेशव को कब्जे में लिया है।जानकारी के अनुसार शनिवार को एक पिकअप वाहन ढलान में खड़े होने के कारण अचानक पीछे की ओर खिसक गया। वाहन में उस समय कोई भी मौजूद नहीं था जिसके चलते पीछे खड़ा एक व्यक्ति वाहन की चपेट में आ गया। हादसे में असलम 47 पुत्र मोहम्मद अहमद, निवासी वर्धमान कॉलोनी, जावेद मस्जिद के पास सहारनपुर की मौत हो गई। असलम पेशे से कारपेंटर था। शव को सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

### छात्रों को नियमित रूप से सिलेंडर गैस की सप्लाई मिले

देहरादून(संवाददाता)। डीबीएस कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष हर्ष राणा और अन्य पदाधिकारियों की ओर से शनिवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। इसके माध्यम से उन्होंने देहरादून के निजी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विभिन्न क्षेत्रों से आए छात्राओं की रसोई गैस से जुड़ी समस्या को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि दूरदराज से आए छात्रों को गैस की कमी, समय से सिलेंडर नहीं मिल पाने और बढ़ती कीमतों के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसका असर पढ़ाई और स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। उन्होंने मांग की है कि छात्रों को नियमित रूप से सिलेंडर गैस की सप्लाई मिले और निजी संस्थानों के छात्रों की समस्या हल करने के लिए जिला प्रशासन और खाद्य आपूर्ति विभाग ठोस कदम उठाए।

### आपदा प्रबंधन में व्यक्तिगत और सामुदायिक समन्वय जरूरी

देहरादून(संवाददाता)। डीएवी महाविद्यालय में शनिवार को सामाजिक एवं व्यक्तिगत विकास विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें यूथ रेडक्रॉस कमेटी के मुख्य आपदा प्रबंधन अधिकारी डॉ अनिल वर्मा ने कहा कि आपदा प्रबंधन के सन्दर्भ में व्यक्तिगत और सामुदायिक विकास एक सिक्के के दो पहलू के समान हैं। इनमें समन्वय बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड आपदाओं के प्रति बहुत ही संवेदनशील राज्य है। उन्होंने रेस्क्यू, प्राथमिक उपचार आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

### पुहाना के पास दो ट्रकों की भिड़ंत में एक चालक की मौत, दो घायल

रुड़की(संवाददाता)। देहरादून हाईवे पर पुहाना के समीप शुक्रवार देर रात दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दौरान एक चालक की मौके पर मौत हो गई। जबकि दो लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भिजवाया और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार देर रात सूचना मिली कि सामान से लदे दो ट्रक आपस में भिड़ गए। हादसे में पीछे से टक्कर मारने वाले ट्रक के चालक जुनैद पुत्र जावेद निवासी सुजडू थाना खालापार मुजफ्फरनगर की मौके पर ही मृत्यु हो गई। वहीं दूसरे ट्रक में सवार नोमान पुत्र लुकमान निवासी बागपत और साहिम पुत्र आबिद निवासी बागपत घायल हो गए।

# कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा के शासकीय कक्ष का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शुभारंभ

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड सरकार में नव नियुक्त कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने अपने नए दायित्वों की औपचारिक शुरुआत करते हुए शनिवार को उत्तराखंड विधानसभा परिसर में स्थित अपने शासकीय कक्ष का विधिवत उद्घाटन किया। यह आयोजन न केवल एक औपचारिक प्रक्रिया रहा, बल्कि राज्य की विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के संकल्प का प्रतीक भी बना। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुई विशेष पूजा-अर्चना ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर बधाई देने वालों में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूरी, अध्यक्ष भगवत प्रसाद जाति आयोग के अध्यक्ष ायक पूरण फर्त्याल सहित रहे। सभी ने मंत्री राम सिंह के लिए शुभकामनाएं देते उनकी सक्रिय भूमिका की पर प्रदेश के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और विभिन्न की उपस्थिति रही। सभी ने नए दायित्वों के लिए विकास में उनकी भूमिका पूजा-अर्चना के दौरान मंत्री जनहितकारी कार्यकाल की

उत्तराखंड सफाई आयोग के मकवाना, उत्तराखंड अनुसूचित मुकेश कुमार तथा पूर्व विध कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद कैड़ा को उनके नए दायित्वों हुए राज्य के समग्र विकास में अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों मंत्री राम सिंह कैड़ा को उनके शुभकामनाएं दीं और राज्य के को महत्वपूर्ण बताया। के सफल, पारदर्शी और कामना की गई।तीन अहम विभागों की जिम्मेदारी:कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा को राज्य सरकार में शहरी विकास, जलागम प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये तीनों विभाग उत्तराखंड के सतत विकास के लिए बेहद अहम माने जाते हैं। कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने इस अवसर पर कहा तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच आधुनिक आधारभूत संरचना का विकास, जल संसाधनों का संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। भीमताल विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक चुने जा चुके राम सिंह कैड़ा को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना उनके लंबे राजनीतिक अनुभव और संगठनात्मक क्षमता का प्रमाण है।विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन पर फोकस:कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने इस अवसर पर कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह केवल पद नहीं बल्कि जनता के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहरी विकास के क्षेत्र में आधुनिक, सुव्यवस्थित और पर्यावरण के अनुकूल योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि शहरों का विस्तार सुनियोजित तरीके से हो सके। साथ ही जल संरक्षण और जलागम प्रबंधन के माध्यम से ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों में जल संकट को दूर करने की दिशा में ठोस पहल की जाएगी। कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए दीर्घकालिक योजनाएं बनाई जाएंगी, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके। राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शहरी क्षेत्रों का सुनियोजित विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना प्रमुख है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी अतिथियों ने मंत्री राम सिंह कैड़ा को उनके नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में उत्तराखंड विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। **सम्पादक – राजेश पंत**
**फोन नं0– 05946–254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email:** jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताजातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com